प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी के 7वें दीक्षांत समारोह में 22 पीएच. डी. स्कॉलर समेत 276 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई

2013 में पहले दीक्षांत समारोह से अब तक आईआईटी मंडी ने कुल 1135 डिग्रियां प्रदान की। इनमें 89 पीएचडी., 50 एमएस. (शोध से), 87 एम.टेक., 121 एम.एससी. और 788 बी. टेक. की डिग्रियां हैं।

मंडी, 5 अक्तूबर 2019 : आज (5 अक्तूबर 2019) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के 7वें दीक्षांत समारोह में 276 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, स्टफ, विद्यार्थी, उनके माता–पिता और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्रदान की गई डिग्रियां

कोर्स	डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थी
पीएच.डी.	**22**
एम एस (शोध से)	**10**
एम टेक. **60**	
पावर इलैक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स	09
कम्युनिकेशंस और सिग्नल प्रॉसेसिंग	13
मैकेनिकल इंजीनियरिंग एनर्जी सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ	09
एनर्जी इंजीनियरिंग मटीरियल्स में विशेषज्ञता के साथ	10
इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग वीएलएसआई में विशेषज्ञता के साथ	09
बायोटेक्नोलॅजी	10
एम. एससी. – 54	
भौतिकी	17
रसायन	22
व्यवहारिक गणित	15
बी. टेक. – 130	
सिविल इंजीनियरिंग	20
कम्प्युटर साइंस एवं इंजीनियरिंग	59
इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	26
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	25

इस अवसर पर संस्थान को दिए अपने संदेश में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने विद्यार्थयों को बधाई दी और निरंतर नए शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने के लिए आईआईटी मंडी की सराहना की। उन्होंने कहा संस्थान अपने मोटो 'स्केलिंग द हाइट्स' के अनुरूप लगातार विद्यार्थियों की संख्या बढ़ा रहा है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर ने संस्थान को दिए अपने संदेश में विद्यार्थियों को बधाई दी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में तेजी से आगे बढ़ने के लिए आईआईटी मंडी की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान इंजीनियरिंग प्रोफेशनल तैयार कर रहा है और हिमाचल प्रदेश के युवाओं को उनके लक्ष्य हासिल करने विभिन्न क्षेत्रों में सुनहरा भविष्य बनाने का बड़ा मंच दे रहा है। संस्थान सिद्धांत और प्रयोग के माध्यम से उत्कृष्ट प्रतिभा तैयार करने में सक्षम है।''

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री बंदारु दत्तात्रेय ने भी अपने संदेश में विद्यार्थियों को बधाई देते हुए संस्थान के कार्योंकी सराहना की।

इस अवसर पर संस्थान को बधाई देने वाले अन्य गणमान्य लोगों में उल्लेखनीय नाम हैं श्री संजय धोत्रे (राज्य मंत्री, मान संसाध विकास मंत्रालय, संचार और इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार), श्री बिक्रम सिंह (उद्योग, श्रम एवं रोजगार तथा प्रौद्योगिकी शिक्षा मंत्रालय, हिमाचल प्रदेश सरकार) और श्री आर सुब्रमण्यम (सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में पद्म भूषण श्री बाबासाहेब नीलकंठ कल्याणी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारत फोर्ज लिमिटेड ने कहा कि ''मैने कभी सोचा नहीं था कि इतना शानदार परिसर हिमालय के बीच एक सुदूर घाटी में स्थित हो सकता है। मुझे इस प्रकार के शैक्षणिक वातावरण को देखकर बहुत खुशी है और यहां प्रत्येक व्यक्ति इस शांत वातावरण में विकसित हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि ''भारत का समाधान का मतलब विश्व का 40 प्रतिशत से अधिक समाधान करना है और आईआईटी मंडी के छात्र ऐसे उल्लेखनीय समाधानों के विकास में मुख्य भूमिका निभाएंगे। आईआईटी मंडी बिजनैस इंक्यूबेटर (टीबीआई) कैटालिस्ट देश के कई भागों से उद्यमियों को आकर्षित करने में सफल रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों से अपने पोर्टफोलियो में 15 वाणिज्यिक एवं सामाजिक स्टार्ट–अप के बहुत नजदीक हैं। मुझे यह जानकर खुशी है कि आईआईटी मंडी कमांड की महिलाओं को समक्ष बनाने की परियोजना (ईडब्ल्यूओके) को संचालित करता है जो कि रोजगार की सूचना एवं स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने, उनकी योग्यता को साझा करने एवं सक्षम नियोक्ता के साथ उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में कार्यरत है।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. टिमथी ए. गोंज़ाल्विस ने कहा, ''वर्तमान में आईआईटी के फैकल्टी 110 करोड़ रु. से अधिक के 225 प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। शिक्षा वर्ष 2018–19 में संस्थान ने 15.5 करोड़ रु. से अधिक के 45 प्रोजेक्ट हासिल किया है। आईआईटी मंडी ने 2012 में वीएलएसआई रेसिस्ट मटीरियल्स के लिए इंटेल (अमेरिका) से 315,000 डालर की राशि प्राप्त की। 2012 में अत्याधुनिक 22 नैनोमीटर (एनएम) प्राप्त किए। आईआईटी मंडी ने 2014 में 20 एनएम और 2018 में 10 एनएम हासिल किए। संस्थान ने एससीएल मोहाली के लैब में प्रयुक्त 34 में 11 कैमिकल्स का स्वदेशीकरण कर दिया। ज्ञान सृजन और संचार के लिए शोध प्रकाशन का बहुत महत्व है। पिछले 10 वर्षों में हमारे शिक्षकों ने 1400 से अधिक शोध प्रकाशित किए। इनमें कई प्रकाशन अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के प्रकाशकों ने किए हैं।

इस अवसर पर श्री सुबोध भार्गव, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी मंडी ने बताया,''मुझे खुशी है कि बी. टेक. प्रोग्राम की छात्राओं की संख्या में 20.23 प्रतिशत वृद्धि हुई है। यह 2019 के लिए संस्थान के लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक है। मुझे यह भी कहना है कि महिला शिक्षकों की संख्या सभी आईआईटी की तुलना में सबसे अधिक आईआईटी मंडी में है।''

दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सब के विचार सुने। इस साल के लिए रानी गोंज़ाल्विस मेडल और संस्थान के रजत पदक विजेता मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच की सुश्री प्रीति एम. कनप्पन ने कहा, ''आईआईटी मंडी में आपको कई अद्भुत चीजों को सुंदर तालमेल दिखेगा। संस्थान का पाठ्यक्रम भारत के अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों से आधुनिक है। दरअसल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर है। संस्थान ने हमें मैकेनिकल, इलैक्ट्रिकल, सिविल और कम्प्युटर साइंस की पारंपरिक सीमाओं से बढ़ कर कोर्स और प्रोजेक्ट चुनने की आजादी दी। शिक्षकों ने कुछ नया करने का स्वगात् किया और इसके लिए प्रोत्साहित भी किया। वर्तमान में मैं रोबोटिक्स में मास्टर कर रही हूं। मैंने देखा है कि अलग–अलग पृष्ठभूमि के मेरे बहुत से सहापाठियों को विभिन्न क्षेत्रों का वह अनुभव नहीं मिला जो मुझे यहां दिया गया। सबसे बड़ी बात यह है कि हम ने अपने कॉलेज जीवन के शानदार 4 वर्ष हिमालय की खूबसूरत वादी में व्यतीत किए। इस तरह की शिक्षा, आईआईटी का नामी ब्राण्ड और साथ ही पहाड़ों, नदियों और बर्फबारी का आनंद अन्यत्र कहां मिलेगा?''

उपस्थित श्रोताओं ने राष्ट्रगान के साथ आयोजन का समापन किया।

दीक्षांत समारोह के विवरण आयोजन की वेबसाइट पर देखें :

https://www.iitmandi.ac.in/academics/convocation/7th_convocation/index.php

कुछ विशिष्ट पदक विजेता

भारत के राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक

श्री आकाश शर्मा

बी. टेक. कम्प्युटर साइंस और इंजीनियरिंग, 2019 बैच

निदेशक स्वर्ण पदक

श्री अभिषेक
बी. टेक. कम्प्युटर साइंस और इंजीनियरिंग, 2019 बैच

###

आईआईटी मंडी का परिचय

जुलाई 2009 में 97 विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,600 से अधिक विद्यार्थियों के साथ 125 फैकल्टी होना बड़ी उपलब्धि है। ये विद्यार्थी संस्थान के विभिन्न अंडरग्रैजुएट, पोस्टग्रैजुएट और रिसर्च प्रोग्राम में नामांकित हैं। इस पूर्णतः आवासीय संस्थान के साउथ कैम्पस में 41,000 वर्गमीर और नार्थ कैम्पस में 84,000 वर्गमीटर का निर्माण पूरा हो गया है। संस्थान के अंदर 88 कमरों का गेस्ट हउस, 800 सीटर ऑडिटोरियम, कैम्पस स्कूल, खेल परिसर और अस्पताल भी है।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2019 में आईआईटी मंडी को 20वां रैंक दिया गया। एनआईआरएफ के आउटरीच एवं इन्क्लुसिवीटी मेट्रिक पर आईआईआईटी मंडी का सभी 23 आईआईटी में पहला स्थान है।

आईआईटी मंडी में चार शैक्षिक स्कूल हैं : स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जो सूचना युग की मुख्य प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है; स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़ जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन एवं जीवन विज्ञान शामिल हैं; स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग जिसमें कोर और परस्पर संबंध क्षेत्रों और इंजीनियरिंग की शाखाओं में शोध एवं शिक्षण का प्रावधान है और स्कूल ऑफ ह्युमैनीटीज़ एवं सोशल साइंसेज़ जो साहित्य, समाज शास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, प्रबंधन आदि पर केंद्रित है।

वर्तमान में आईआईटी मंडी के शिक्षक 110 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 225 शोध एवं विकास के प्रोजेक्ट पर कार्यरत हैं। इनमें खास तौर से उल्लेखनीय है एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) जिसकी 2013 में लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापना की गई। इसमें मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं। आईआईटी मंडी में शोध के लिए 'क्लास 100 क्लीन रूम' भी है जो भारत का ऐसा पहला और विश्वस्तरीय शोध केंद्र है। 2017 में भारत सरकार के जैवतकनीकी विभाग ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. के प्रतिष्ठित फार्मर जोन टीएम प्रोजेक्ट के नेतृत्व के लिए चुना।

संस्थान का प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। अगस्त 2019 से आईआईटी मंडी ने डाटा साइंस और इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स और बायोइंजीनियरिंग में डुअल डिग्री के लिए 3 नए और विशिष्ट बी. टेक. प्रोग्राम शुरू किया। जर्मनी में टीयू 9 के साथ आईआईटी मंडी के कई सहमति करार के तहत कार्य जारी हैं। 2013 से हर वर्ष डब्ल्यूपीआई (वॉर्सेस्टर पॉलीटेकनकि इंस्टीट्यूट), अमेरिका के लगभग 25 विद्यार्थी 2 डब्ल्यूपीआई शिक्षकों के साथ आईआईटी मंडी आते हैं।

सन् 2016 में आरंभ आईआईटी मंडी का कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। आईआईटी मंडी की एक अन्य पहल 'इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली' (ईडब्ल्यूओके) का मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

Website: https://www.iitmandi.ac.in

Media contact for IIT Mandi:

IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in / Landline:01905267832

BhavaniGiddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Prerna Rao – Footprint Global Communications
Cell: 9873879787 / Email: prerna.rao@footprintglobal.com
PalakSakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com